सत्रीय कार्य

# BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

(**जुलाई 2025 तथा** जनवरी, 2026 सत्रों के लिये)

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

# संस्कृत भाषा और साहित्य : BSKLA-135

## सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : BSKLA-135/2025-26

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ....................

नाम : ..................

पता :....................

दिनाँक :.......................

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.................

सत्रीय कार्य कोड :........................

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :....................

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

**1.** अध्ययन**:** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

**2.** अभ्यास**:** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क ) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख ) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट**:** याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है**,** अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ **:**

जुलाई**, 2025** सत्र के लिए **: 31** मार्च**, 2026**

जनवरी**, 2026** सत्र के लिए **: 30** सितम्बर**, 2026**

# सत्रीय कार्य : BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

सत्रीय कार्य – BSKLA-135/TMA/2025-26 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

**(भाग –क) व्याख्या आधारित प्रश्न**

1. अधोलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **2×20 = 40**

(अ) पद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए-

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः।
श्रेयः हि धीरः अभि प्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ॥

**अथवा**

संस्कृत दिवस को उपलक्षित कर संस्कृत में निबन्ध लिखिए ।

(ब) यक्ष–युधिष्ठिर संवाद का आज के समाज में महत्त्व बताइए।

**अथवा**

"वाक्य" की परिभाषा दीजिए तथा वाक्य के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए। प्रत्येक प्रकार के दो-दो उदाहरण लिखिए।

**(भाग-ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **3 × 15=45**

i) संस्कृत व्याकरण के चतुर्थी और पंचमी विभक्ति के मुख्य प्रयोग नियम लिखिए।

ii) नीतिशतक के आधार पर भर्तृहरि की नीति–दृष्टि का वर्णन कीजिए।

iii) शुकनासोपदेश के उपदेशों का वर्तमान शासन-व्यवस्था में महत्व बताइए।

iv) पल्लवन और संक्षेपण के बीच अंतर लिखिए, साथ ही दोनों के उदाहरण दीजिए।

**(भाग-ग) लघु उत्तरीय प्रश्न**

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **15**

i) दिए गए वर्णों का सही उच्चारण करके उनका उच्चारण-स्थान लिखिए:

क, च, ट, त, प

ii) निम्नलिखित पदों में संधि कीजिए –

a) पं + च

b) राकेश

c) उज्ज्वल

d) लोकोपकार

e) वि + ऊह

iii) निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए –

a) बालक पुस्तक पढ़ रहा है।

b) गंगा पवित्र नदी है।

c) राम कल मन्दिर जाएगा।

d) तुम्हारा कल्याण हो ।

e) रमा विद्यालय गई थी।

iv) आयुर्वेद की परिभाषा क्या है? तथा आयुर्वेद के अनुसार ऋतुचर्या का क्या महत्व है?

v) समाचार के मुख्य स्रोत कौन-कौन से होते हैं?

vi) बाणभट्ट के गद्य साहित्यिक योगदान का विवेचन कीजिए।

vii) कालिदास के काव्य में प्रकृति-वर्णन की विशेषताएँ 'कुमारसंभवम्' के उदाहरणों सहित लिखिए।